अभियान | संकल्प से समाधान अभियान : दिव्यांगों को सहायक उपकरण और हितलाभ वितरण

सरकार का मुख्य उद्देश्य लोगों के दुखों को दूर करना है : देवड़ा

जबलपुर। प्रजातंत्र और समाज का मुख्य उद्देश्य लोगों के दुखों को दूर करना है। सरकार जनता की भला के लिए होती है। सरकार का राजधर्म है कि वे जनता के हर कष्टों को संवेदनशीलता के साथ दूर करें।

कभी-कभी कुछ कार्यक्रम संख्यात्मक दृष्टि से बड़े होते हैं, किन्तु कुछ कार्यक्रम गुणात्मक व भावात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं। यह बातें उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और हितग्राहियों को हितलाभ वितरण का कार्यक्रम के दौरान भंवरताल के समीप संस्कृति थियेटर में कहीं। आगे उन्होंने कहा कि जनता की हर आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं भी है। साथ ही कहा कि सभी जनप्रतिनिधि व अधिकारी जनकल्याण को ईश्वरीय कार्य समझकर करें। उन्होंने कहा कि

जिनके आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं उसकी फार्मेल्टी पूरी कर उसे बनवाना सुनिश्चित करें। सभा के दौरान जल गंगा अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए शपथ भी दिलाई।

दिव्यांगों के लिए सुविधाओं की कमी नहीं: बाल्मिकी

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मिकी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद देकर सभी के स्वस्थ्य होने की कामना की और कहा कि मध्यप्रदेश में दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं की कोई कमी नहीं होगी।

2014 के बाद संकल्पित सरकार है: दुबे

सांसद आशीष दुबे ने कहा कि 2014 के बाद केन्द्र व राज्य में संकल्पित सरकार है, जो गरीब, किसान, युवा व महिलाओं के साथ दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने राष्ट्रीय वयोश्री योजना जैसी कल्याणकारी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसके अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के बीपीएल श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण प्रदान किये जाते है।

जबलपुर विकास की ओर अग्रसर: अन्नू

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने संकल्प से समाधान अभियान को अद्भुत बताते हुए कहा कि केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सामाजिक सारोकार से जुड़े कार्य लगातार हो रहे हैं। उन्होंने सभी की मंगलकामना करते हुए कहा कि जिस प्रकार मध्यप्रदेश तेजी के साथ विकास कर रहा है, उसी प्रकार जबलपुर भी तेजी से विकास की ओर अग्रसर है।

जब संकट तब आयुष्मान कार्ड वरदान: अभिलाष

इस अवसर पर विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने आयुष्मान कार्ड के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि जब संकट के समय कोई सहयोग नहीं करता है तब आयुष्मान कार्ड गरीब जनता के लिए वरदान साबित होता है। जिससे वे अपना इलाज कर जीवन को सुरक्षित कर सकते हैं।

एलपीजी-पेट्रोल का उपलब्ध है पर्याप्त स्टॉक, लोग भ्रमित न हों

मध्यप्रदेश में एलपीजी और पेट्रोल की कथित कमी को लेकर फैल रही अफवाहों पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने शहर प्रवास पर आकर विराम लगा दिया है। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि पूरे प्रदेश में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं है। आमजन को घबराने या भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि एलपीजी और पेट्रोल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह सतर्क है और हर जिले में एलपीजी व पेट्रोल की आपूर्ति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पत्रकारों से चर्चा के दौरान श्री देवड़ा ने ये भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में ईंधन आपूर्ति की मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

भंवरताल उद्यान में अब वर्षा की हर बूंद को सहेजा जाएगा

जबलपुर की नई ज्वॉटर क्रांति, भंवरताल बनेगा जल संचयन का मॉडल

भूजल स्तर बढ़ाने उद्यान परिसर में सोकपिट निर्माण का भूमिपूजन

जबलपुर। जबलपुर की यह नई ज्वॉटर क्रांति है, जो एक मॉडल के रूप में जाना जायेगा। भँवरताल जल संचयन का एक मॉडल तैयार होगा। शहर के हृदय स्थल भँवरताल उद्यान में अब वर्षा की हर बूंद को सहेजा जाएगा। यह बातें जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत, मध्य प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने स्थानीय गणमान्यजनों, जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में यहाँ एक सोकपिट निर्माण का भूमिपूजन कर जल संरक्षण के एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए कहीं। उन्होंने बताया कि 10 एकड़ में फैले इस पार्क में 4 सोकपिट का निर्माण किया जा रहा है, जो सीधे भू-जल स्तर को रिचार्ज करेगा। मानसून के दौरान अक्सर होने वाले जलभराव की समस्या अब बीते कल की बात होगी। संकलित पानी जमीन के भीतर जाकर धरती की प्यास बुझाएगा। इस पहल का सीधा लाभ उद्यान के आस-पास रहने वाले हजारों नागरिकों को मिलेगा, क्योंकि इससे क्षेत्र के ट्यूबवेल और कुओं का जल स्तर भी सुधरेगा। भँवरताल के साथ-साथ नगर निगम अब एक व्यापक कार्य योजना पर काम कर रहा है, निगम के सभी प्रमुख उद्यानों में इसी तरह के सिस्टम लगाए जा रहे हैं। शासकीय कार्यालयों के साथ-साथ अशासकीय संस्थानों और निजी भवनों में भी रैन वॉटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य और तेज किया जा रहा है। यह अभियान न केवल जबलपुर को जल-संकट से बचाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और हरा-भरा भविष्य भी सुनिश्चित करेगा। जब प्रशासन और आमजन मानस मिलकर जल गंगाज् का संवर्धन करते हैं, तभी प्रकृति मुस्कुराती है।

जब जन-जन जुड़ेगा, तभी जल बचेगा : देवड़ा

जल ही जीवन का आधार है और हमारे पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल संचयन और संरक्षण के माध्यम से ही हम आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और हरा-भरा भविष्य दे पाएंगे। जब जन-जन जुड़ेगा, तभी जल बचेगा। यह बातें उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जबलपुर प्रवास के दौरान शासन के महत्वाकांक्षी जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए कहीं। ऐतिहासिक रानीताल तालाब पहुँचकर उन्होंने न केवल श्रमदान किया, बल्कि उपस्थित जनसमूह को जल स्रोतों के संरक्षण और उनके जीर्णोद्धार का संकल्प भी दिलाया। अभियान के दौरान उपमुख्यमंत्री ने स्थानीय गणमान्यजनों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ मिलकर तालाब परिसर की सफाई की।

अनाधिकृत खर्चों पर रेलवे ने लगाया अंकुश

जबलपुर, नवभारत। रेलवे ने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हो रहे अनधिकृत खर्चों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त रुख अपनाया है। पश्चिम मध्य रेल ज़ोन सहित अन्य जोनों पर रेलवे बोर्ड ने हजारों करोड़ रुपये के बढ़ते खर्च पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सिस्टम के भीतर वित्तीय अनुशासन को अनिवार्य बनाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में सभी जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों, विभिन्न उत्पादन इकाइयों और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को स्पष्ट आदेश भेजे गए हैं ताकि परियोजनाओं के दौरान बिना पूर्व मंजूरी के धन व्यय करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। रेलवे बोर्ड के संज्ञान में यह तथ्य आया है कि कई महत्वपूर्ण मामलों में सक्षम प्राधिकरण से विधिवत अनुमति लिए बिना ही पहले राशि खर्च कर दी जाती है। इसके पश्चात व्यय की गई राशि की मंजूरी के लिए आवेदन किया जाता है, जो स्थापित सरकारी नियमों और प्रक्रियाओं का सीधा उल्लंघन है। बोर्ड के अनुसार, इस प्रकार की कार्यप्रणाली से न केवल विभाग की वित्तीय पारदर्शिता बाधित होती है, बल्कि पूरे बजट प्रबंधन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे भविष्य की योजनाओं के लिए आवंटित फंड का संतुलन भी बिगड़ता है।

तय किए गए नए स्टैंडर्ड

वित्तीय स्थिति में सुधार लाने के लिए रेलवे ने अब यह अनिवार्य कर दिया है कि किसी भी परियोजना में एक भी रुपया खर्च करने से पहले आवश्यक प्रशासनिक और तकनीकी स्वीकृति लेना आवश्यक होगा। इसके साथ ही विभाग ने अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय करने का निर्णय लिया है। वित्तीय नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए निगरानी तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। रेलवे के इस कदम का मुख्य उद्देश्य अनावश्यक और फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखना, कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाना और सार्वजनिक धन के सदुपयोग को शत प्रतिशत सुनिश्चित करना है।

बोरों की कमी से बदली गेहूं खरीदी की तस्वीर

नए बारदाने की कमी के चलते इस बार पुराने बोरों में होगी खरीदी

नवभारत, जबलपुर। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू होने से पहले ही बोरों की कमी का संकट खड़ा हो गया है। नए बारदाने की पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने के कारण प्रशासन को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ रही है। स्थिति को देखते हुए सरकार ने पुराने बोरों की खरीद का फैसला लिया है। इसके तहत लाखों पुराने बोरों का टेंडर जारी किया गया है, ताकि खरीदी प्रक्रिया प्रभावित न हो।

जानकारी के अनुसार अब तक गेहूं की खरीदी हमेशा नए बोरों में ही की जाती रही है, क्योंकि गुणवत्ता और भंडारण के मानकों के लिए यह जरूरी होता है। लेकिन इस बार परिस्थितियों के कारण पुराने बोरों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

अन्य फसलों पर भी पड़ेगा असर

विदित है कि जिले में सिर्फ गेहूं के उपार्जन के साथ चना, अरहर और मूंग की भी खरीदी भी होनी है। ऐसे में उपलब्ध बोरों का उपयोग इन उपार्जन में भी किया जाएगा। जिसको लेकर उपार्जन प्रकिया को पूर्ण कराना एक चुनौती बन गई है, जिससे दबाव और बढ़ सकता है।

लगभग 13 लाख बोरे की कमी

इस बार लगभग 20 लाख क्विंटल गेहूं खरीदी का अनुमान है, जिसके लिए करीब 40 लाख बोरियों की जरूरत होगी। वहीं, वर्तमान में केवल 27 लाख नए बोरे ही उपलब्ध हैं, जिससे कमी साफ दिखाई दे रही है। इसके अलावा पुराने बोरों की गुणवत्ता को लेकर चिंता जताई जा रही है। साथ ही इन बोरों की खरीद बाजार दर से अधिक कीमत पर की जा रही है, जिससे लागत और गुणवत्ता दोनों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ऐसे में कैसे बन पाएगा इंदौर की तर्ज पर 56 मार्केट...

श्रीनाथ की तलैया की बदहाली की सामने आई तस्वीरें

नगर निगम ने पुनर्विकास के किए थे दावे

नवभारत, जबलपुर। इंदौर की तर्ज पर यहां '56 दुकान' (मार्केट) जैसा फूड हब विकसित करने की और सौंदर्यीकरण, पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की बात धरातल पर ठीक ढंग से फिट बैठ पाएगी की नहीं इस पर सवाल उठना शुरू हो चुके हैं। इसकी मुख्य वजह श्रीनाथ की तलैया मैदान की बदहाल हालत है। विदित हो कि नगर निगम प्रशासन द्वारा श्रीनाथ की तलैया को इंदौर की तर्ज पर 56 दुकान जैसा फूड हब विकसित करने और

पर्यटन स्थल बनाने की योजना प्रस्तावित की गई थी और दावा किया गया था कि इसे इंदौर के मार्केट जैसा ही रूप दिया जाएगा।

लेकिन हकीकत में वर्तमान स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है। जानकारों का तो ये भी कहना है कि ये योजना सिर्फ नगर निगम के कागजों और बैठकों तक ही सीमित रहेगी। उधर दूसरी तरफ स्थानीय लोगों ने निगम प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई कर इस ऐतिहासिक स्थल को उसकी गरिमा वापस दिलाई जाए और गंदगी व बीमारी के खतरे से राहत दिलाई जाए। हालांकि नगर निगम ने पहले श्रीनाथ तलैया के पुनर्विकास के लिए बड़े-बड़े दावे किए हैं।

चारों तरफ पसरी है गंदगी

जानकारी के अनुसार श्रीनाथ की तलैया मैदान में सालों से जमा गाद और कचरा फैला हुआ है , इतना ही नहीं यहां कुछ जगह पर जलभराव भी नजर आ रहा है। पानी के ठहराव और गंदगी के चलते पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है और लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है। इसके अलावा उचित निगरानी और रखरखाव के अभाव में ये क्षेत्र असामाजिक तत्वों का अड्डा भी बन गया है जिसको लेकर स्थानीय लोगों में भी दहशत का माहौल बन चुका है।

फायर अमले ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

सराफा बाजार के पास भड़की आग

नवभारत, जबलपुर। सराफा बाजार में रविवार शाम को अज्ञात कारणों के चलते बिजली के तारों में आग भड़क उठी जिसके बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। आग बढ़ता देख लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी वहीं कुछ सराफा व्यापारियों ने अपनी-अपनी दुकानों में रखे फायर सेफ्टी उपकरण से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे फायर अमले ने आग को कड़ी मशक्कत के बाद बुझा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो ये आग सराफा व्यापारियों की कई दुकानों तक

पहुंच जाती और फिर शहर में एक बड़ी दुर्घटना घटित हो जाती। आग लगने का कारण पता नहीं चला है। स्थानीय सराफा व्यापारियों का कहना है कि बिजली के खंभे में शॉट सर्किट हुआ होगा और फिर अचानक आग भड़क उठी।

ऑटो चालकों पर हुई कार्रवाई

जबलपुर, नवभारत। जबलपुर रेलवे स्टेशन पर आटो की मनमानी पार्किंग करना चालकों को भारी पड़ गया। शनिवार को रेल सुरक्षा बल और रेलवे के वाणिज्य विभाग के संयुक्त दल ने अचानक जांच करते हुए स्टेशन में निर्दिष्ट पार्किंग की जगह को छोड़कर कहीं भी आटो खड़े करने वाले चालकों पर कार्रवाई की गई। सवारी बैठाने के लिए कुछ आटो चालक लेन तोड़कर यात्रियों की आवाजाही वाली जगह तक पहुंच गए थे। प्रवेश द्वार पर पहुंचकर जबरन यात्रियों को आटो की सवारी के लिए दबाव बना रहे थे। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि जांच के दौरान आरपीएफ ने पांच आटो चालकों पर मामला दर्ज किया गया है। इस दौरान स्टेशन में चार अवैध वेंडरों को भी दबोचा गया है।

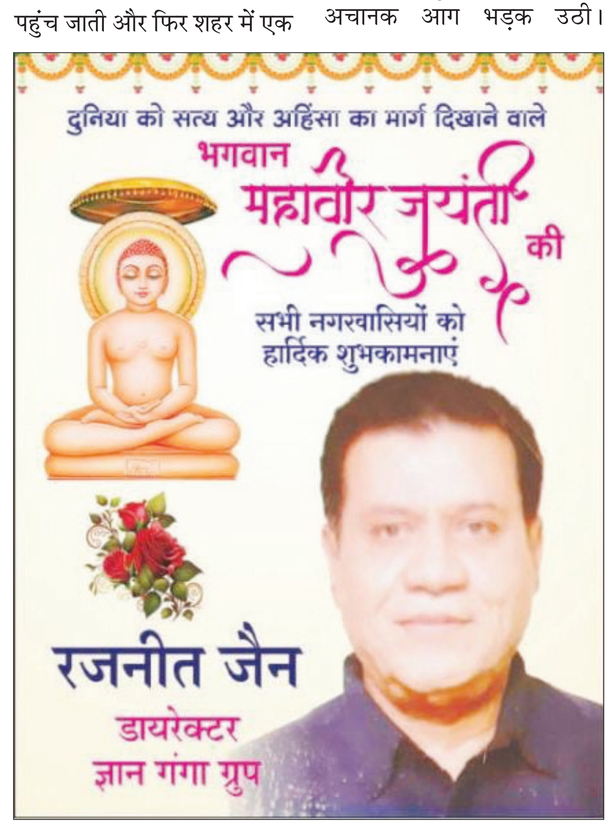

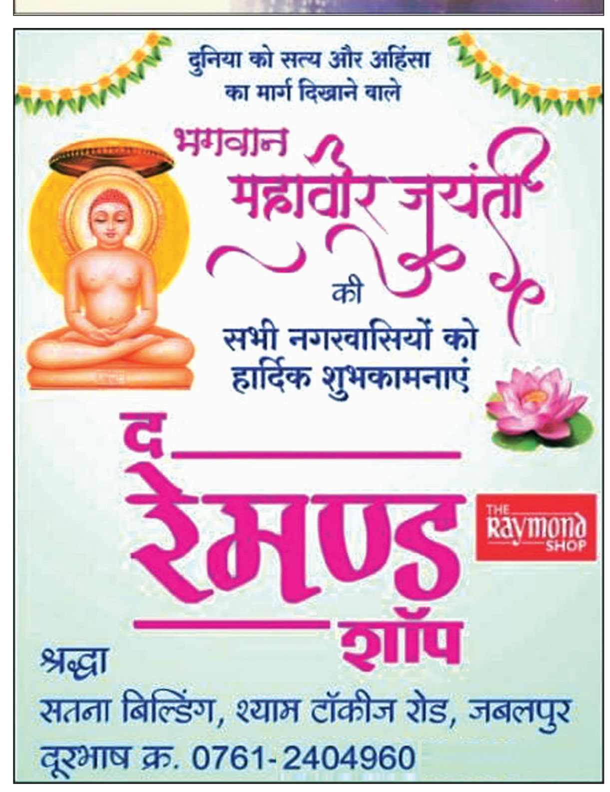

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा नेपियर टाउन बस स्टैण्ड जबलपुर से प्रकाशित एवं नेपियर टाउन बस स्टैण्ड जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharatjabalpur@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RNI Reg No.1537/57